

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बनारस रेलवे स्टेशन से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी ट्रेन भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं। वंदे भारत ट्रेन पर हर भारतीय को गर्व है। यह ट्रेन भारतीयों के द्वारा भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है।

आज देश के अलग-अलग हिस्सों में नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत हो रही है। काशी से खजुराहो वंदे भारत के अलावा फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत इसको भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन चार नई ट्रेनों के साथ ही अब देश में 160 से ज्यादा नई वंदे भारत ट्रेनों का संचालन होने लगा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भर के विकसित देशों के आर्थिक विकास में वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास का महत्वपूर्ण रोल रहा है। अगर कहीं रोड और रेल की सुविधा विकसित होती है, तो वहां का विकास शुरू हो जाता है। आज भारत भी विकास के रास्ते पर तेज गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास ने यहां पर पर्यटन के बेहतर अवसरों को खोजा है।

बीते 11 वर्षों में, यूपी में हुए विकास कार्यों ने तीर्थाटन को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। पिछले साल बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए 11 करोड़ श्रद्धालु काशी आए थे। अयोध्या में 6 करोड़ से ज्यादा लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। अब बनारस के सैकड़ों नौजवान, अब ट्रांसपोर्ट से लेकर बनारसी साड़ियों तक, हर एक चीज में नए-नए व्यापारों को शुरू कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी इस पूरे क्षेत्र का हेल्थ कैपिटल बन गया है।

हमारी सरकार का प्रयास काशी में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार का भी है। महामना कैंसर अस्पताल, शंकर नेत्रालय, बीएचयू में बना अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर, ये सारे अस्पताल आज काशी, पूर्वांचल समेत आसपास के राज्यों के लिए भी वरदान बने हैं। इन अस्पतालों में आयुष्मान भारत और जनऔषधि केंद्र की वजह से आज गरीबों को लाखों लोगों के करोड़ों रुपयों की बचत हो पा रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित रहे। बनारस- खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बड़ा उपहार मानी जा रही है। इसके संचालन से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को एक नया आयाम मिलेगा। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ेगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वाराणसी में कैंट और काशी रेलवे स्टेशन का भ्रमण किया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज वाराणसी के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से करीब डेढ़ सौ गाड़ियां हैं। इनकी संख्या बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि बनारस स्टेशन, काशी स्टेशन और वाराणसी कैंट स्टेशन इन तीनों का एक मास्टर प्लान बनाकर दीर्घकालिक विकास किया जायेगा। रेल मंत्री ने कहा कि काशी में रोपवे का भी काम हो रहा है। रोपवे और स्टेशन को लेकर एक एकीकृत योजना भी बनायी जायेगी। वाराणसी दौरे के दौरान रेल मंत्री ने बरेका का भी निरीक्षण किया।

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा कई क्षेत्रों में जीएसटी दरों में कटौती के साथ बाइस सितंबर से शुरू किए गए जीएसटी बचत उत्सव से देश के कॉफी उद्योग और प्रसंस्करण क्षेत्र को भी फायदा पहुंच रहा है। एक रिपोर्ट-

संशोधित कर ढांचे के अंतर्गत पैकेज्ड कॉफी पर कर कि दर 18: से घटाकर 5: कर दी गई है, जिससे काफी उद्योग को बढ़ावा मिला है। जीएसटी में की गई कटौती से प्रसंस्करण पैकेजिंग और वितरण क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। सौम्या के साथ अमन यादव आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

राष्ट्र वंदे मातरम गीत की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहा है। यह एक ऐसा गीत है, जिसने पीढ़ियों को एकजुट करने और राष्ट्रीय भावना का जश्न मनाने के लिए प्रेरित किया है। वंदे मातरम जैसे अमर गीत के रचयिता पर प्रस्तुत है एक रिपोर्ट-

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय भारत के अग्रणी साहित्यकारों में से एक और आधुनिक भारतीय साहित्य के अग्रदूत थे। 1838 में बंगाल क्षेत्र में जन्मे बंकिम चंद्र के प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में देशभक्तिपूर्ण भजन वंदे मातरम पहली बार प्रकाशित हुआ था। यह गीत मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता के अवतार के रूप में प्रस्तुत करता है और भारत की एकता और स्वाभिमान की जागृत भावना को कविता का स्वर देता है। शिवांग और सौम्या की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से, मैं मुकेश कुमार बल।

मौसम विभाग ने चौदह नवंबर तक प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार फिलहाल तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।
